ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 फरवरी - I - 2023 अंक - 21 माउण्ट आबू Rs.-12

माउण्ट आबू के दो दिवसीय दौरे पर राष्ट्रपति ने ' आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के तहत

'आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय' का किया शुभारंभ

पाण्डव भवन 'शान्ति स्तम्भ' पर परमात्म स्मृति में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के विभिन्न सेवाकेन्द्रों पर जो अध्यात्म-शक्ति प्राप्त होती है उसका ज्वलंत उदाहरण यह है कि एक समय मैं स्वयं अंधकारमय जीवन की ओर अग्रसर हो गयी थी। फिर मेडिटेशन और ध्यान योग के माध्यम से मुख्य धारा में लौटी। उक्त उद्गार भारत की राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन में 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के तहत आयोजित 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय' सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि विश्व में अनेकों संस्थान कार्यरत हैं लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ एक ऐसा संस्थान है जो बहनों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थान में वरिष्ठ भाइयों का भी सहयोग रहता है। इस संस्थान की सफलता यह सिद्ध करती है कि अवसर मिलने पर महिलायें भी पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती हैं।

137 देशों में संचालन कर रही महिलायें

आज यह संस्थान विश्व के 137 देशों में पाँच हज़ार सेवाकेंद्रों का संचालन कर रहा है। यह संस्थान महिलाओं द्वारा संचालित विश्व का सबसे बड़ा संस्थान है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने बालिका शिक्षा एवं महिला अत्याचार पर भी अपना संक्षिप्त उद्बोधन दिया।

अध्यात्म और विज्ञान के बीच समन्वय होना ज़रूरी

भारत को सुपर पावर बनाने के लिए अध्यात्म और विज्ञान का सहयोग ज़रूरी है। आज हमारा देश अपनी रक्षा के साथ पूरे विश्व में शांति के लिए प्रयास कर रहा है। शिव बाबा ने यहाँ मुझे बुलाया और मैं आयी हूँ। मैं ब्रह्मा बाबा को नमन करती हूँ और धन्यवाद देती हूँ कि पूरे विश्व में शांति और शक्ति प्रदान करने के लिए महिलाओं के सिर पर ज्ञान-कलश रखा।

शांतिवन 'अव्यक्त लोक' पर शांति की मुद्रा में राष्ट्रपति मुर्मू। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी एवं ब्र.कु. नीलू दीदी।

सतयुग की मानसिकता को अपनाने पर ज़ोर

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि युद्ध और कलह के वातावरण में विश्व - शेष पेज 3 पर...

दूसरे दिन...

संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू के हिस्ट्री हॉल का अवलोकन करते हुए माननीय राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू

दूसरे दिन राष्ट्रपति मुर्मू माउण्ट आबू में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ज्ञान सरोवर अकादमी में पहुँचीं। ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 3:30 बजे उठीं और करीब 4:30 बजे तक मेडिटेशन किया। राष्ट्रपति ने जीवन में समय से पहले कुछ नहीं मिलता। समय आने पर ही सब मिलता है। आज भी पहले की तरह रोज़ मेडिटेशन के साथ सुबह की शुरुआत होती है। अपने दो दिन के प्रवास के दौरान राष्ट्रपति ने ध्यान, साधना, एकांत और सात्विक भोजन को विशेष तरजीह दी। तत्पश्चात् राष्ट्रपति नाश्ते के बाद सुबह 10 बजे संस्थान के पांडव भवन परिसर में पहुंचीं। जहाँ ब्रह्मा बाबा के

मेडिटेशन के बाद सुबह 7 बजे आध्यात्मिक सत्संग में भी भाग लिया, जो 7:45 तक चला। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे ऐसा महसूस होता है कि मुश्किलों के दौर में परमात्मा मेरी मदद करते हैं। जीवन में उतार-चढ़ाव के दौर में परमात्मा ने कभी मुझे कमज़ोर नहीं पड़ने दिया। उन्होंने कहा कि हमें शांति स्तम्भ पर पहुँच कर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही मेडिटेशन रूम, बाबा की कुटिया, बाबा के कमरे में पहुंचकर एकांत में कुछ देर शिव बाबा का ध्यान किया। हिस्ट्री हॉल में संस्थान के इतिहास को जाना। पांडव भवन में अवलोकन के बाद राष्ट्रपति ने ज्ञान सरोवर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

बाबा के कमरे में मेडिटेशन करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू।